This question paper contains 2 printed pages.]

7790 *आपका अनुक्रमांक* .....

M.A. (एम.ए.) / II A

HINDI (हिन्दी)

Group K – Rangmanch Evam Drishya-Shravya Madhyam

वर्ग (ठ) – रंगमंच एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम

Paper 15 – Drishya-Shravya Madhyam

प्रश्न-पत्र 15 – दृश्य-श्रव्य माध्यम

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. हिन्दी रेडियो नाटक के इतिहास का परिचय देते हुए इसके भविष्य पर विचार कीजिए।

अथवा 12

[P.T.O.

रेडियो नाटक और रंग नाटक की भाषिक-संरचना का अंतर स्पष्ट करते हुए इनकी संप्रेषणीयता पर प्रकाश डालिए।

2. दृश्य-विधान के आधार पर टी.वी नाटक और रंग नाटक के स्वरूप में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा 12

समकालीन टी.वी. धारावाहिकों ने दर्शकों को किस प्रकार से प्रभावित किया है? विस्तार से विवेचन कीजिए।

3. फीचर फिल्म और रंगनाटक की संरचना के संदर्भ में दर्शक की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा 12

टेलीफिल्म के कला-वैशिष्ट्य का विवेचन करते हुए उसकी सामाजिक भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए

(क) रेडियो रूपान्तरण की तकनीक

(ख) रेडियो फैंटेसी का प्रयोजन

(ग) टी.वी. धारावाहिकों की लोकप्रियता

(घ) आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर) 7, 7